बाइबल अध्ययनः एक खोज

Discovering Bible Study (Hindi)

अध्याय 1 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए पुस्तक के अन्त में दिए गए प्रश्नपत्र का उपयोग करें।

1. व्यक्तिगत बाइबल अध्ययन

A. एक मसीही अपने आप सीख जाता है।

B. इसके लिए अनुशासन के साथ साथ कला की भी आवश्यकता होती है।

C. जीवन में यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है।

D. प्रभावशाली ढंग से करने के लिए बहुत समय लेता है।

2. भजन 119:105 में परमेश्वर के वचन का वर्णन

A. एक दीपक और उजियाला के रूप में किया गया है।

B. एक दर्पण के रूप में किया गया है।

C. एक आग के रूप में किया गया है।

D. एक तलवार के रूप में किया गया है।

3. दर्पण के रूप में बाइबल हमारे लिए उपयोगी है क्योंकि

A. यह परमेश्वर की सुन्दर सृष्टि को प्रतिबिम्बित करती है।

B. यह स्वर्गीय महिमा को प्रतिबिम्बित करती है।

C. यह दूसरों की असफलताओं को सामने रखती है।

D. यह हमें दिखाती है कि परमेश्वर की दृष्टि में हम कैसे दिखाई देते हैं।

4. पौलुस ने तीमुथियुस को बताया कि बाइबल हमारे लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह:

A. बहुत बड़े भक्तों के द्वारा लिखी गई है।

B. "परमेश्वर की प्रेरणा" से रची गई है।

C. बहुत प्राचीन है।

D. समझने में सरल है।

5. बाइबल की तुलना भोजन से किया गया है क्योंकि

A. इसमें हमारी आत्मिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए पोषक शक्ति है।

B. हमारे उद्धार को कायम रखने के लिए यह आवश्यक है।

C. इसे आकर्षक बनाने के लिए अनेक तरीकों से प्रस्तुत किया जाता है।

D. इसे उपयोग के योग्य बनाए जाने के लिए तैयारी की आवश्यकता होती है।

6. बाइबल हमें सिखाती है कि परमेश्वर किस बात से प्रसन्न होता है। हम उसे इसलिए प्रसन्न करना चाहते हैं और उसकी आज्ञा का पालन करना चाहते हैं क्योंकि

A. हम उससे डरते हैं।

B. हम उससे प्रेम रखते हैं।

C. उद्धार पाने का यही एकमात्र उपाय है।

D. इससे दूसरे विश्वासियों के मध्य रहते समय हमें सहज महसूस होता है।

7. प्रभु यीशु ने क्या करने के द्वारा हमारे सामने उदाहरण रखा है कि हमें परीक्षा पर किस प्रकार से प्रबल होना है

A. परीक्षा लेने वाले, शैतान के साथ तर्क वितर्क करने के द्वारा।

B. परीक्षा को अनदेखा करने के द्वारा।

C. पवित्रशास्त्र से वचनों को उद्धरित करने के द्वारा।

D. सहीं कार्य करने के अपने स्वयं के अधिकार का प्रयोग करने के द्वारा।

8. परमेश्वर अपने वचन का उपयोग

A. हमें यह आश्वासन देने के लिए करता है कि हम बुरे लोग नहीं हैं।

B. निराधार ग्लानि को दूर करने में हमारी सहायता करने के लिए करता है।

C. हमारे आत्म सम्मान को दोबारा लौटाने के लिए करता है।

D. हमें हमारे जीवनों के पाप का बोध कराने के लिए करता है।

9. भजन संहिता 1 में हमें यह आश्वासन दिया गया है की पवित्रशास्त्र पर ध्यान करते रहने से निम्नलिखित उत्पन्न होता है:

A. एक सफल आर्थिक जीवन।

B. एक फलदायक जीवन।

C. हमारे उद्धार का आश्वासन।

D. कलीसिया में अधिकार का एक पद।

10. हम परमेश्वर की इच्छा को किस प्रकार से जान सकते हैं

A. उससे प्रार्थना करने के द्वारा कि वह हम पर अपनी इच्छा प्रगट करे।

B. इस विषय पर दूसरे से बात करने के द्वारा।

C. उसके लिखित वचन का अध्ययन करने के द्वारा।

D. उपवास के साथ प्रार्थना करने के द्वारा।

आपका क्या विचार है?

आपके मसीही जीवन के इस समय, बाइबल का अध्ययन करने के लिए आपको कौन सी बात प्रेरित कर रही है?

अध्याय 2 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए पुस्तक के अन्त में दिए गए प्रश्नपत्र का उपयोग करें।

1. लेखक ने ..... का उपयोग करते हुए परमेश्वर के वचन को सीखने के तरीकों को चित्रित किया है।

A. सिर

B. कान

C. हाथ

D. चेहरा

2. जब आप परमेश्वर के वचन के प्रचार को सुनते हैं, तो आप

A. इस उद्देश्य से सुने कि आप इसे अपने जीवन में लागू करेंगे।

B. यदि यह पसन्द न आ रहा हो तो कुछ और पढ़ना आरम्भ कर दे।

C. वक्ता की इस क्षमता का आंकलन करें कि वह अपनी संदेश को कितने रोचक तरीके से प्रस्तुत कर रहा है।

D. जो कुछ सुने उसकी तुलना इसी स्थल पर प्रचार किए गए कम से कम दो सन्देशों के साथ करें।

3. जब आप प्रतिदिन बाइबल पढ़ते हैं तो यह सबसे महत्वपूर्ण है कि

A. अपनी समयसारिणी का पालन इस तरह से करें कि आप यह निर्धारित समय पर पूरा कर सकें।

B. एक पूरी तस्वीर समझने के लिए जल्दी जल्दी पढ़ें।

C. मुख्य बिन्दुओं को ढूंढ़ निकालने के लिए स्थल पर सरसरी नजर दौड़ाएं।

D. धीरे धीरे और ध्यान/मनन करते हुए पढ़े ताकि आप अधिक से अधिक समझ हासिल कर सकें।

4. पवित्रशास्त्र की अच्छी समझ हासिल करना

A. एक जीवनकाल में लगभग असम्भव है।

B. समय के साथ सरलता से हो जाता है।

C. परिश्रम की आवश्यकता है।

D. सिर्फ प्रचारकों के लिए आवश्यक है।

5. बाइबल की प्रत्येक पुस्तक का अध्ययन करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि

A. प्रत्येक पुस्तक को एक विशेष उद्देश्य से लिखा गया है।

B. प्रत्येक लेखक की एक भिन्न शैली है।

C. प्रत्येक पुस्तक को अलग अलग समय में लिखा गया।

D. प्रत्येक पुस्तक का एक भिन्न सन्देश है।

6. बाइबल के सिद्धान्तों की अच्छी समझ हासिल करने का सर्वोत्तम कारण यह है कि इससे आपको .... में सहायता मिलेगी

A. दूसरों के सामने अपने बाइबल ज्ञान का प्रदर्शन करने
B. एक संदेश/उपदेश सुनते समय सहज महसूस करने
C. झूठी शिक्षा को पहचान कर उसे अस्वीकार करने
D. जीवन को एक अलग दृष्टिकोण से देखने

7. इस पाठ्यक्रम के अनुसार, भविष्यद्वाणियों का अध्ययन करना महत्वपूर्ण है क्योंकि
A. यह वर्तमान रूचि का एक विषय है।
B. यह भविष्य के विषय में हमारी जिज्ञासा को शान्त करता है।
C. पवित्रशास्त्र के एक चौथाई से अधिक हिस्से में इस प्रकार के लेख पाए जाते हैं।
D. यह बाइबल अध्ययन में हमारी रूचि को बरकरार रखता है।

8. .....से आवश्यकता पड़ने पर पवित्रशास्त्र तुरन्त हमारे लिए उपलब्ध हो जाता है।
A. उपदेश सुनने
B. बाइबल के पदों को कंठस्थ करने
C. बाइबल के बारे में बात करने
D. बाइबल अध्ययन में भाग लेने

9. बाइबल पर "ध्यान करते रहने" का अर्थ है
A. इसकी सच्चाईयों पर चिन्तन करना ताकि इसके अर्थ को समझ कर अपने जीवन में लागू कर सकें।
B. अपने मनों को खाली करना ताकि परमेश्वर अपने विचारों को इस में भर दे।
C. एक शब्द पर ध्यान केन्द्रित करना ताकि परमेश्वर के साथ अपने अस्तित्व को एक कर लें।
D. लेखकों द्वारा व्यक्त की गई बातों पर अलग अलग तरीके से विचार करना।

10. भजन 119:18 की प्रार्थना के द्वारा, हम परमेश्वर के वचन को ..... की अपनी इच्छा परमेश्वर के सामने व्यक्त करते हैं।

A. बाँटने

B. प्रचार करने

C. जानने

D. समीक्षा करने

आप का विचार क्या है?

इस अध्याय में बाइबल का अध्ययन करने के लिए जिन तरीकों पर चर्चा की गई है, उन में से कौन सा तरीका आपको सबसे अधिक रोचक लगता है? क्यों?

अध्याय 3 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए पुस्तक के अन्त में दिए गए प्रश्नपत्र का उपयोग करें।

1. बाइबल का प्रथम लेखक 15वीं शताब्दी ई.पू. का ..... था; जबकि अन्तिम लेखक पहली शताब्दी ईसवी का ..... था।

A. अय्यूब/पौलुस

B. मूसा/यूहन्ना

C. मूसा/पौलुस
D. यहोशू/यूहन्ना

2. बाइबल की कहानी ..... के दो सिरों के बीच में पाई जाती है

A. आकाश और पृथ्वी की सृष्टि के वर्णन और नए आकाश और नई पृथ्वी की फिर से सृष्टि किए जाने के वर्णन
B. अब्राम की बुलाहट और यीशु के जन्म के वर्णन
C. आदम के पाप और परमेश्वर के अन्तिम न्याय के वर्णन
D. जलप्रलय के द्वारा संसार को नाश किए जाने और संसार को आग से नाश किए जाने के वर्णन

3. जब आदम और हव्वा ने पाप किया, परमेश्वर ने यह प्रतिज्ञा किया कि

A. वह उनके पाप क्षमा करेगा यदि वे मन फिराए।
B. जीवन वैसा ही चलता रहेगा मानों उन्होंने शैतान की बात सुना ही न हो।
C. शैतान अब आगे से उन्हें परीक्षा में नहीं डाल पाएगा।
D. स्त्री के वंश में से मसीह उत्पन्न होकर मानवजाति को छुड़ाएगा।

4. बाइबल की कहानी की एकता का रहस्य इस सच्चाई में पाया जाता है

A. परमेश्वर का आत्मा मानव लेखकों को स्वर्गीय भाषा में बोलता गया और वे लिखते गए।
B. लेखकों ने पहले लिखे गए लेखों को पढ़ा था और वे समझ गए कि उन्हें आगे क्या लिखना है।
C. परमेश्वर के आत्मा ने लेखकों को प्रेरणा दिया और उन्होंने अपनी भाषा और सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुसार लिखा।

D. लेखक जिन लोगों के लिए लिख रहे थे, उन लोगों की आवश्यकताओं को वे समझ गए, और उसे ही पूरा करने के प्रयास में लिखा।

5. ..... बाइबल का केन्द्रीय मूल विषय है।

A. संसार का इतिहास

B. मानवजाति

C. प्रभु यीशु मसीह

D. नीचे की ओर गिरता हुआ पाप का भंवर

6. हम बाइबल को अच्छी तरह से समझ सकेंगे यदि हम

A. जिस खण्ड का अध्ययन कर रहें हैं, उसे कहानी के सही चरण में रख कर अध्ययन करें।

B. विभिन्न सभ्यताओं के इतिहास का ज्ञान हासिल करें।

C. उन भाषाओं को सीखें जिनमें यह लिखी गई।

D. लेखकों के जीवनों पर शोध करें।

7. कहानी आगे बढ़ने पर, परमेश्वर ने अब्राम को चुना कि

A. ऊर नगर की बुराई का दण्ड दे।

B. सारी पृथ्वी के लोगों के लिए आशीष का मूल बनें।

C. उसे वह छुटकारा देने वाला बनाए जिसकी प्रतिज्ञा की गई थी।

D. मिस्र से अपने लोगों को छुटकारा दे।

8. चौथे चरण में, इस्राएली लोग एक राष्ट्र बन गए।

A. सत्य

B. असत्य

9. मसीह का प्रथम आगमन कब हुआ?

A. बाबुल की बन्धुआई में जाने से पहले।

B. बाबुल की बन्धुआई से वापस लौटने के बाद।

C. दाऊद राजा के राज्य के दौरान।

D. जब राज्य दो भागों में बँट गया।

10. नौवे चरण में क्या है?

A. परमेश्वर के मौन का समय।

B. मसीह के हजार वर्ष का राज्य।

C. पृथ्वी का नाश और इसे फिर से सृजा जाना।

D. कलीसिया का आरम्भ, इसका बढ़ना, और बादलों पर यीशु से मिलने के लिए उठा लिया जाना।

आपका विचार क्या है?

यह समझ जाना कि प्रभु यीशु बाइबल का केन्द्र बिन्दु है, आपके बाइबल अध्ययन में किस प्रकार से सुधार लाता है?

अध्याय 4 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के अन्त में दी गई प्रश्न पुस्तिका का प्रयोग करें।

1. बाइबल अध्ययन हमें कैसा बना देता है?

A. अधिक पवित्र।

B. दूसरों की आलोचना करने में और उनके आचरण के सम्बन्ध में उन्हें शिक्षा देने में अधिक सक्षम।

C. एक सशक्त मसीही और परीक्षाओं का सामना करने में अधिक सक्षम।

D. अधिक बुद्धिमान।

2. परमेश्वर के वचन के महान धन की खोज करने के लिए यह आवश्यक है कि हम

A. बाइबल अध्ययन को अपने जीवन की एक प्राथमिकता बना लें।

B. जिन मूल भाषाओं में बाइबल को लिखा गया है, उसका अध्ययन करें।

C. बाइबल कॉलेज या सेमनरी में कुछ समय बिताएं।

D. बोलने में निपुण प्रचारकों को ध्यानपूर्वक सुनें।

3. एक वर्णनात्मक स्थल/वृतांत के सन्दर्भ का अध्ययन करते हुए, हम क्या ढूंढते हैं

A. लेखक की व्यक्तिगत पृष्ठभूमि।

B. स्थिति या घटना की पृष्ठभूमि या परिस्थितियाँ।

C. लिखने के पीछे लेखक की प्रेरणा।

D. शिक्षा को अपने जीवन में लागू करना।

4. ..... का पठन अध्ययन किए जा रहे स्थल के तात्कालिक सन्दर्भ को सामने लाता है।

A. सम्पूर्ण पुस्तक

B. स्थल के ठीक पहले और बाद वाला बाइबल पाठ

C. स्थल पर दी गई टीका

D. एक बाइबल एटलस

5. मुख्य विचार का थोड़े शब्दों में सार तैयार करने का उद्देश्य क्या है?

A. अतिरिक्त बातों को विचार से निकाल देना।

B. बाइबल पाठ/स्थल को फिर से लिख कर इसे समझने योग्य बनाना।

C. सुविधाजनक आकार में स्थल को संक्षिप्त रूप देना।

D. अपने विचारों को स्थल के प्राथमिक बिन्दु पर केन्द्रित करना।

6. बाइबल के प्रत्येक स्थल में सिर्फ एक ही मुख्य विचार पाया जाता है।

A. सत्य

B. असत्य

7. सम्बन्धित स्थल (क्रॉस रेफरेंस) अध्ययन करने वाला का ध्यान किस ओर ले जाते हैं

A. विषय से सम्बन्धित ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की ओर

B. शिक्षा को व्यक्तिगत जीवन में लागू करने की ओर

C. बाइबल के अन्य स्थल या पदों की ओर

D. विषय से सम्बन्धित अन्य पुस्तकों की ओर

8. अधिकांश बाइबलों में, सम्बन्धित स्थल कहाँ दिए जाते हैं

A. बीच के या किनारे वाले कॉलम में

B. पुस्तक के अन्त में

C. अध्याय के अन्त में

D. बाइबल के पीछे

9. बाइबल अध्ययन के द्वारा व्यक्तिगत जीवन में लागू करने के लिए सीखीं गई शिक्षाएं

A. अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

B. अनिवार्य नहीं करती कि हमेशा कोई न कोई कदम उठाया जाए।

C. ऐसे तरीके हैं जिनके द्वारा हम परमेश्वर की शिक्षाओं पर चल सकते हैं।

D. उपरोक्त सभी।

10. यदि स्थल के विषय में हमारे मन में अब भी कुछ प्रश्न हैं, तो हमें,

A. यह मान लेना चाहिए कि हम बाइबल अध्ययन के योग्य नहीं है, और हमें बाइबल अध्ययन करना छोड़ देना चाहिए।

B. इन प्रश्नों को लिख लेना चाहिए और अपने आगे के अध्ययन में इनका उत्तर ढूंढ़ना चाहिए।

C. हताश हो पीछे हट जाना चाहिए और सिर्फ टीका पुस्तकों पर निर्भर रहना चाहिए।

D. एक भिन्न अनुवाद या सरल अनुवाद के सहारे पुनः प्रयास करना चाहिए।

आपका विचार क्या है?

क्या आप समझते हैं कि "सात प्रश्नों वाली विधि" बाइबल अध्ययन का एक अच्छा तरीका है? क्यों, और क्यों नहीं?

अध्ययन 5 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए पुस्तक के अन्त में दी गई प्रश्न पुस्तिका का प्रयोग करें।

1. पुराना नियम का लगभग ..... हिस्सा काव्य के रूप में लिखा गया है।

A. एक चौथाई

B. एक तिहाई

C. आधा

D. उपरोक्त सभी

2. बाइबल की पहली कविता कहाँ पाई जाती है?

A. उत्पत्ति 5:18-20

B. निर्गमन 15:1-21

C. न्यायियों 5

D. भजन 1

3. ..... एक ऐसी पुस्तक है जो पूरी तरह से एक काव्य है।

A. उत्पत्ति

B. एज्रा

C. एस्तर

D. विलापगीत

4. काव्य को किस उद्देश्य से रूप दिया गया है?

A. बाइबल के सिद्धान्तों को सरल ढंग से प्रस्तुत करने के लिए।

B. किसी अनुभव का पूर्ण वर्णन प्रदान करने के लिए।

C. अनुभव को एक सजीव व कल्पनाशील ढंग से व्यक्त करने के लिए।

D. भावनाओं को एक ग्रहणयोग्य तरीके से बहने देने के लिए।

5. इब्रानी काव्य की मुख्य विशेषता क्या है?

A. तुकबंदी

B. अनुप्रास

C. समरूपता

D. स्वरों की एकता

6. "पुनरावृत समरुपता" में,

A. प्रथम पंक्ति के सार अर्थ को दूसरी पंक्ति में दोहराया जाता है।

B. प्रथम पंक्ति को दूसरी पंक्ति में दोहराया जाता है।

C. प्रथम पंक्ति के भाव की दूसरी पंक्ति में तुलना की जाती है।

D. प्रथम पंक्ति का दूसरी पंक्ति में विस्तार किया जाता है।

7. नया नियम में कोई भी काव्य खण्ड नहीं पाया जाता।

A. सत्य

B. असत्य

8. भजन 144:4 निम्नलिखित में से किसका उदाहरण है?

A. रूपक

B. उपमा

C. तुलनात्मक समरूपता

D. पुनरावृत समरूपता

9. जब सन्दर्भ के विषय में कोई बाहरी जानकारी उपलब्ध न हो या कम हो, तो हमें कहाँ से समझ हासिल करना है?

A. बाइबल के सामान्य ज्ञान से।

B. बाइबल के विषय उपलब्ध बाहरी संसाधनों से।

C. इतिहास से प्राप्त जानकारियों से।

D. स्थल की विषय वस्तु से।

10. मुख्य विचार को लिखते समय, हम क्या करने का प्रयास करते हैं?

A. स्थल को अधिकतम 15 शब्दों में व्यक्त करने का।

B. समर्थन करने वाले विचारों का एक पैराग्राफ लिखने का।

C. स्थल का एक शब्द में शीर्षक देने का।

D. स्थल में पाए जाने वाले सिद्धांत को दूसरे शब्दों में व्यक्त करने का।

आपका विचार क्या है?

इब्रानी काव्य के व्याकरण की संरचना को जानना हमारे लिए क्यों उपयोगी है?

अध्याय 6 की परीक्षा

प्रश्नों के उत्तर पुस्तक के अन्त में दी गई प्रश्न पुस्तकी का उपयोग करते हुए लिखें।

1. परमेश्वर के द्वारा प्रगट किए गए सत्यों को हम तभी समझ सकते हैं

A. जब हमें इब्रानी और यूनानी भाषा का अच्छा ज्ञान हो।

B. जब हम बहुत सारी टीका पुस्तकों की सहायता ले।

C. बाइबल अध्ययन करने में वर्षों लगा दें।

D. जब इसे स्थल के भौगौलिक और ऐतिहासिक सन्दर्भ के प्रकाश में रख कर समझें।

2. लेखक के अनुसार बाइबल के भूगोल की जानकारी

A. अध्ययन करने वाले को संसार के विषय में बेहतर जानकारी प्रदान करती है।

B. वर्णन/वृतांत के असर को गहराई प्रदान करती है।

C. यह सिद्ध नहीं करती कि बाइबल की लिखी घटनाएं वास्तव में घटीं।

D. रोचक है परन्तु वास्तव में उतनी महत्वपूर्ण नहीं।

3. बाइबल में वर्णित सबसे महत्वपूर्ण घटनाएं किस स्थान पर घटीं?

A. यूरोप

B. इस्राएल

C. अफ्रीका

D. अमरीका

4. इस्राएल देश

A. बहुत छोटा है

B. बहुत बड़ा है

C. एक पैर के आकार का है

D. सुदूर पूर्व के पास है

5. परमेश्वर ने अपने चुने हुए लोगों के लिए जिस भूमि का चयन किया वह कहाँ स्थित है?

A. सीनै प्रायद्वीप के मध्य में

B. निर्जन पहाड़ पर

C. एक ऐसे स्थान पर जहाँ तीन महाद्वीप मिलते हैं

D. भूमध्यसागर के एक द्वीप पर

6. इस्राएल देश में

A. अधिकांश क्षेत्र मरूस्थली हैं

B. बहुत सी झीले हैं

C. एक भी पहाड़ नहीं है

D. विविध/विभिन्न प्रकार के मौसम होते हैं

7. बाइबल पाठ के भोगौलिक सन्दर्भ को समझने के लिए ..... सबसे अधिक सहायक सिद्ध होगा।

A. बाइबल शब्दकोष

B. एक ककॉर्डेंस (बाइबल शब्दानुक्रमणिका)

C. बाइबल एटलस (मानचित्र/नक्शों की पुस्तक)

D. धर्मविज्ञान की पुस्तक

8. बाइबल पाठ को पढ़ते समय,

A. भौतिक और भोगौलिक विशेषताओं के दृश्यों की कल्पना करें।

B. प्रत्येक शब्द पर ध्यान केन्द्रित करें।

C. पाठ में दी गई आत्मिक शिक्षाओं पर ही ध्यान दें।

D. यह मान कर चलें कि स्थल की घटना की परिस्थितियाँ हमारी परिस्थितियों के ही समान है

9. स्थल का सन्दर्भ ज्ञात करने के लिए

A. पाठ में दी गई आत्मिक सच्चाइयों पर ध्यान केन्द्रित करें।

B. धर्मविज्ञान की किसी पुस्तक की सहायता लें।

C. स्थल में उल्लेखित लोगों, स्थानों, और वस्तुओं के बारे में प्रश्न करें।

D. व्यक्तिगत रूप से यह आप के जीवन में जिस तरह से लागू होता है, उसके आधार पर निर्णय लें।

10. यरूशलेम की भोगौलिक/भौतिक स्थिति की जानकारी

A. बाइबल पाठ के मुख्य बिन्दु को समझने के लिए आवश्यक नहीं है।

B. यह समझने के लिए अनिवार्य है कि दाऊद ने किस प्रकार से नगर पर अधिकार किया।

C. रोचक है, परन्तु उतनी महत्वपूर्ण नहीं।

D. इतने वर्षों बाद ठोस जानकारी प्राप्त करना असम्भव है।

आपका विचार क्या है?

बाइबल एटलस (नक्शों की किताब) में, योना 1:1-3 में दिए गए 3 स्थानों को खोजें । परमेश्वर के प्रति योना की अनाज्ञाकारिता की गम्भीरता को समझने में इससे आपको किस तरह से सहायता मिलती है?

अध्याय 7 की परीक्षा

परीक्षा लिखने के लिए इस पुस्तक के अन्त में दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें!

1. बाइबल का ..... हिस्सा भविष्यद्वाणी है।

A. 10 प्रतिशत

B. 25 प्रतिशत

C. 45 प्रतिशत

D. 60 प्रतिशत

2. भविष्यद्वक्ता कौन थे

A. जो परमेश्वर की ओर से बोलते थे।

B. राजा के राजदूत।

C. लोगों के प्रतिनिधि।

D. दर्शन देखने वाले करिश्माई व्यक्तित्व के लोग।

3. भविष्यद्वक्ताओं की मुख्य सेवकाई क्या थी?

A. भविष्य में होने वाली घटनाओं के विषय में पहले से बताना।

B. भविष्य के विषय में लोगों की जिज्ञासा को शान्त करना।

C. लोगों को बुलाहट देना कि वे परमेश्वर के साथ अपना सम्बन्ध सहीं करें और दुष्टता का मार्ग छोड़ें।

D. लोगों के सामने राजा का प्रतिनिधित्व करना।

4. बाइबल में पहली भविष्यद्वाणी किसके मुँह से निकली थी?

A. मूसा, जब इस्राएलियों ने मिस्र छोड़ा।

B. परमेश्वर, अदन की वाटिका में।

C. नूह, जब वह जहाज बना रहा था।

D. आदम, जब वह अदन की वाटिका से बाहर कर दिया गया।

5. हमें बाइबल की भविष्यद्वाणी को किस रूप में समझना है?

A. प्रतीकात्मक

B. महत्वहीन

C. विश्वास न करने लायक

D. शब्दशः

6. बाइबल में भविष्यद्वाणी के खण्ड

A. व्याव्हारिक रूप से हमारे जीवनों पर लागू नहीं होते।

B. परमेश्वर के उद्देश्यों के प्रगटीकरण के प्रति एक उचित दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

C. हमें भविष्य की एक झलक दिखा कर हमारी जिज्ञासा को शान्त करते हैं।

D. उलझा कर रख देते हैं।

7. यशायाह 11:1-10 का अध्ययन करते हुए, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह

A. भविष्यद्वाणी और काव्य है

B. भविष्यद्वाणी और वृतांत है

C. पूर्ण हो चुकी भविष्यद्वाणी है

D. कलीसिया के लिए की गई भविष्यद्वाणी है

8. यशायाह 11 का अध्ययन करते समय एक बाइबल विवरण पुस्तिका (बाइबल हैण्डबुक) क्या निर्धारित करने में सहायक है

A. यशायाह 11 में प्रयोग में लाई गई काव्यात्मक अभिव्यक्ति का प्रकार

B. यशायाह 11 में यशायाह के द्वारा लगाए जाने वाले दोषारोपण का कारण

C. यशायाह 11 की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

D. यशायाह 11 में दिए गए सन्देश के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया।

9. यशायाह 11 की भविष्यद्वाणी मसीह के दो आगमनों का चित्रण करती है

A. सत्य

B. असत्य

10. यह देखने पर कि परमेश्वर द्वारा इतिहास के एक समय में कही गई बात अनेक वर्षों बाद पूरी हो गई

A. इस बात की पुष्टि होती है कि पवित्रशास्त्र एकदम सहीं और विश्वसनीय है

B. भविष्यद्वक्ताओं का प्रचार झूठा साबित होता है

C. सिर्फ बाइबल के विद्वानों के काम की बात है

D. संदेह करने वाले लोगों को अवसर मिल जाता है कि वे पवित्रशास्त्र के अचूक होने पर प्रश्न उठाएं

आपका विचार क्या है?

यशायाह 11:1-10 के मुख्य विचार को आपने किस प्रकार से ज्ञात किया?

अध्याय 8 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के अन्त में दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. बाइबल की शिक्षाओं वाला स्थल किसे कहते हैं?

A. पवित्रशास्त्र का कोई भी भाग जहाँ शिक्षाएं दी गईं हों।

B. सिर्फ पुराना नियम में पाए जाने वाले भाग।

C. सिर्फ नया नियम में पाए जाने वाले भाग।

D. सिर्फ पौलुस की पत्रियाँ।

2. स्थल का सन्दर्भ जानने के लिए, हम सबसे पहले

A. एक टीका पुस्तक की सहायता लें।

B. नक्शे की किसी पुस्तक की सहायता लें।

C. स्थल के आसपास के हिस्से को पढ़ें।

D. किसी बाइबल शिक्षक से पूछें।

3. लूका 11:29-36 का सन्दर्भ जानने के लिए, कौन कौन से साधन उपयोगी हैं?

A. सिर्फ बाइबल पाठ

B. एक शब्दकोष

C. एक नक्शा/नक्शे की पुस्तक

D. धर्मविज्ञान की एक पुस्तक

4. मुख्य विचार का समर्थन करने वाले विचार

A. मुख्य विचार को सही सिद्ध करते हैं।

B. मुख्य विचार का विस्तार करते हैं।

C. मुख्य विचार का खण्डन करते हैं।

D. एक अन्य मुख्य विचार की ओर ले जाते हैं।

5. इसलिए कि पवित्रशास्त्र का केन्द्रबिन्दु मसीह है, प्रत्येक स्थल में हमेशा उसके विषय में शिक्षा पाई जाती है।

A. सत्य

B. असत्य

6. लूका 11:29-36 से सम्बन्धित स्थल

A. उत्पत्ति 10:3-5

B. भजन 1:1-6

C. मत्ती 12:38-42

D. प्रकाशितवाक्य 6:1-4

7. शिक्षा देने वाले स्थल में ..... ऐसी शिक्षा पाई जाती है जो हमारे जीवनों पर लागू होती है।

A. शायद ही कभी

B. बिल्कुल नहीं

C. अक्सर

D. हमेशा

8. जब आपके कुछ प्रश्नों का उत्तर न मिले,

A. तो बाइबल अध्ययन करना छोड़ दें।

B. इन्हें लिख लें और उत्तर ढूंढ़ें।

C. अलग स्थल का अध्ययन आरम्भ कर दें।

D. मान लें कि आप इसे समझ पाने योग्य नहीं हैं।

9. जिस स्थल में शिक्षा पाई जाती है, उस स्थल का अध्ययन करते समय, कहाँ ध्यान केन्द्रित करना है?

A. शिक्षा की परिस्थितियों पर

B. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर

C. वास्तविक शिक्षा पर

D. शिक्षा देने वाले व्यक्ति पर

10. ..... पहचान लेना शिक्षा देने वाले स्थलों के अध्ययन में खास महत्व रखता है।

A. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

B. मुख्य विचार

C. सन्दर्भ

D. क्रॉस रेफरेंस (सम्बन्धित स्थल/पद)

आपका विचार क्या है?

शिक्षा देने वाले इस स्थल में आपको ऐसी क्या शिक्षा मिली जिसे आप को अपने जीवन पर लागू करना है?

अध्याय 9 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के अन्त में दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. पवित्रशास्त्र में लगभग ..... स्त्री और पुरुषों का नाम लेकर उल्लेख किया गया है।

A. 500

B. 1000

C. 2500

D. 4000

2. बाइबल में किन लोगों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं हैं?

A. कुछ अच्छे चरित्र वाले लोगों और कुछ बुरे चरित्र वाले लोगों के विषय में

B. सिर्फ बुरे चरित्र वाले लोगों के विषय में।

C. सिर्फ अच्छे चरित्र वाले लोगों के विषय में।

D. सिर्फ ऐसे लोगों के विषय में जिनका उनके समाज में प्रभावशाली स्थान था।

3. बाइबल के चरित्रों/पात्रों का अध्ययन करना इसलिए उपयोगी है क्योंकि

A. यह भविष्यद्वाणी वाले स्थलों की तुलना में अधिक उपयुक्त है।

B. ये लोग/चरित्र काफी रोचक हैं।

C. हम उनकी क्षमताओं और उनके व्यवहार के साथ सरलता से अपनी तुलना कर सकते हैं।

D. उनका वर्णन मुख्यतः पुराना नियम में पाया जाता है।

4. किसी चरित्र/पात्र का अध्ययन करते समय यदि उससे सम्बन्धित स्थल खोजने के लिए आपके पास पूरी ककॉर्डेंस नहीं है, तो इसके विकल्प के रूप में आप क्या उपयोग कर सकते हैं?

A. एक टीका पुस्तक।

B. अपनी बाइबल में हाशिए पर दिए गए क्रॉस रेफरेंस।

C. अपने परिचित से पूछे।

D. नक्शा देखें।

5. बाइबल में ऐसे ..... स्थल हैं, जहाँ अक्विल्ला और प्रिस्किल्ला के नामों का उल्लेख किया गया है।

A. 2

B. 4

C. 6

D. 10

6. इसलिए कि अक्विल्ला और प्रिस्किल्ला काफी यात्राएं करते थे, उनके जीवन को समझने के लिए एक ..... काफी सहायक होगी।

A. शीर्षकों वाली एक बाइबल (टॉपिकल बाइबल)

B. इतिहास की कोई पुस्तक

C. एक ककॉर्डेंस (बाइबल शब्दानुक्रमणिका)

D. नक्शे की एक पुस्तक (एटलस)

7. पौलुस अपनी यात्रा के दौरान अक्विल्ला और प्रिसकिल्ला से कहाँ कहाँ मिला?

A. रोम और यरूशलेम।

B. कुरिन्थ और इफिसुस।

C. अन्ताकिया और इफिसुस।

D. कुरिन्थ और यरूशलेम।

8. पौलुस, प्रिस्किल्ला, और अक्विला अपनी जीविका का प्रबन्ध करने के लिए क्या करते थे?

A. तम्बू बनाते थे।

B. मछली पकड़ते थे।

C. डबल रोटी बनाते थे।

D. भाषा सिखाते थे।

9. अक्विला और प्रिस्किल्ला ने पौलुस से पवित्रशास्त्र की शिक्षाएं प्राप्त की थीं, इसलिए वे किसे सिखा सके?

A. तीमुथियुस

B. तीतुस

C. अपुल्लोस

D. यूहन्ना

10. अक्विला और प्रिस्किल्ला लगातार यात्राएं करते हुए पौलुस और कलीसिया की सहायता किया करते थे।

A. सत्य

B. असत्य

आपका विचार क्या है?

बाइबल के चरित्रों/पात्रों का अध्ययन करने में ककॉर्डेंस (बाइबल शब्दानुक्रमिणका) किस प्रकार से सहायक है?

अध्याय 10 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के अन्त में दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. पुराना नियम पवित्रशास्त्र का मुख्य उद्देश्य इस बात का वर्णन करना है कि

A. विज्ञान का क्रमिक विकास, जैसे- जैसे मनुष्य प्रकृति का अध्ययन करता गया।

B. छुटकारे की निरन्तर आगे बढ़ती हुई कथा, जैसा कि यह इतिहास में प्रगट की गई।

C. संसार भर की जातियों के उदय और पतन की गति।

D. अन्य राष्ट्रों के साथ इस्राएल का सम्बन्ध।

2. "चिन्ह" क्या है

A. पवित्रशास्त्र की छपाई में उपयोग किए जाने वाले उपकरण।

B. पुराना नियम की वस्तुएं या लोग जो पहले से एक पूर्वझलक दिखा देते थे कि नया नियम समय में क्या होने वाला है।

C. ऐसे लोग जिन्होंने जीवन जीने का अच्छा आदर्श सामने रखा।

D. समझ पाना कठिन है, इसे सिर्फ गम्भीरतापूर्वक अध्ययन करने वाले विद्वान ही समझ सकते हैं।

3. चिन्ह जिस चीज की पूर्वझलक दिखाता है, उसे क्या कहते हैं?

A. प्रतिरूप

B. रूढ़िवाद

C. अनुकृति

D. प्रतिकृति

4. जब पुराना नियम के लोगों को प्रभु का चिन्ह कहा गया है, तो इसका अर्थ है:

A. वे हर प्रकार से उसके समान थे।

B. वे यह समझते थे कि प्रभु किस प्रकार से उनका उपयोग कर रहा है।

C. उन्हें परमेश्वर की ओर से विशेष प्रकाशन मिला था।

D. उनके जीवन में मसीह के व्यक्तित्व, जीवन, या कार्य के किसी खास पहलू की झलक दिखाई देती थी।

5. .....एक ऐसी वस्तु का एक उदाहरण है जो मसीह का एक चिन्ह है।

A. सोने का वह बछड़ा, जिसकी उपासना इस्राएली करने लगे।

B. भले और बुरे के ज्ञान का वृक्ष

C. नूह का जहाज

D. दाऊद की वीणा

6. गिनती 21 की घटना इस सिद्धान्त को दर्शाती है कि

A. पाप का परिणाम भुगतना पड़ता है।

B. जीवन कठिन है।

C. बहुत अधिक संख्या के लोग होने का अर्थ सुरक्षा है।

D. साथियों की ओर से पड़ने वाला दबाव तगड़ा होता है।

7. हमें यह कैसे पता चलता है कि यीशु को क्रूस पर चढ़ाया जाना गिनती 21 की घटना का प्रतिरूप है?

A. पौलुस ने बताया।

B. सन्त अगस्टीन ने बताया।

C. यीशु ने बताया।

D. इस पाठ्यक्रम के लेखक ने बताया।

8. बाइबल के चिन्हों के अध्ययन में सन्दर्भ जानने के लिए, हमें क्या समझना आवश्यक है

A. पुराना नियम और नया नियम के परस्पर सम्बन्धित स्थलों को।

B. सिर्फ पुराना नियम के स्थल को।

C. सिर्फ नया नियम के स्थल को।

D. सम्पूर्ण बाइबल के सन्दर्भ को।

9. यीशु का क्रूस पर चढ़ाया जाना खम्भे पर चढ़ाए गए साँप का प्रतिरुप था क्योंकि दोनों ही घटनाओं में उन लोगों को चंगाई मिली जिन्होंने उनकी ओर विश्वास से देखा।

A. सत्य

B. असत्य

10. प्रभु यीशु मसीह ने स्वयं को ..... के समान बताया क्योंकि यह बाइबल में पाप का प्रतीक है।

A. एक खम्भा

B. एक साँप

C. एक क्रूस

D. एक मेम्ना

आपका विचार क्या है?

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के द्वारा, आपने जो कुछ सीखा है, उसमें से कुछ ऐसी बातों को हमें बताएं जिनसे कि आपको भविष्य में व्यक्तिगत बाइबल अध्ययन में सहायता मिलेगी।